

॥ श्रीगोविन्दाष्टकं ॥

.. shrIgovindAShTakaM ..

sanskritdocuments.org

November 12, 2017

---

.. shrIgovindAShTakaM ..

॥ श्रीगोविन्दाष्टकं ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : govindAShTakaM

File name : govind8.itx

Category : aShTaka, vishhnu, krishna

Location : doc\_vishhnu

Transliterated by : Ashwini Kshirasagar ak201 at hslmc.cam.ac.uk

Proofread by : Ashwini Kshirasagar ak201 at hslmc.cam.ac.uk

Latest update : November 12, 2017

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research.  
The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website  
or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

November 12, 2017

*sanskritdocuments.org*



## ॥ श्रीगोविन्दाष्टकं ॥

सत्यं ज्ञानमनन्तं नित्यमनाकाशं परमाकाशं  
गोष्ठप्राङ्गणरिङ्गणलोलमनायासं परमायासम् ।  
मायाकल्पितनानाकारमनाकारं भुवनाकारं  
क्षमाया नाथमनाथं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥ १ ॥

मृत्स्नामत्सीहेति यशोदाताडनशैशव सन्नासं  
व्यदितवक्त्रालोकितलोकालोकचतुर्दशलोकालिम् ।  
लोकत्रयपुरमूलस्तम्भं लोकालोकमनालोकं  
लोकेशं परमेशं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥ २ ॥

त्रैविष्टपरिपुवीरघ्नं क्षितिभारघ्नं भवरोगघ्नं  
कैवल्यं नवनीताहारमनाहारं भुवनाहारम् ।  
वैमल्यस्फुटचेतोवृत्तिविशेषाभासमनाभासं  
शैवं केवलशान्तं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥ ३ ॥

गोपालं प्रभुलीलाविग्रहगोपालं कुलगोपालं  
गोपीखेलनगोवर्धनधृतिलीलालितगोपालम् ।  
गोभिर्निगदित गोविन्दस्फुतनामानं बहुनामानं  
गोपीगोचरपथिकं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥ ४ ॥

गोपीमण्डलगोष्ठीभेदं भेदावस्थमभेदाभं  
शश्वद्रोखुरनिर्धूतोद्धतधूलीधूसरसौभाग्यम् ।  
श्रद्धाभक्तिगृहीतानन्दमचिन्त्यं चिन्तितसद्भावं  
चिन्तामणिमहिमानं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥ ५ ॥

स्नानव्याकुलयोशिद्वस्त्रमुपादायागमुपारूढं  
व्यदित्सन्तिरथ दिग्बस्त्रा ह्युपुदातुमुपाकर्षन्तम् ।  
निर्धूतद्वयशोकविमोहं बुद्धं बुद्धेरन्तस्थं

सत्तामात्रशरीरं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥ ६ ॥  
कान्तं कारणकारणमादिमनादिं कालमनाभासं  
कालिन्दीगतकालियशिरसि मुहुर्नृत्यन्तं नृत्यन्तम् ।  
कालं कालकलातीतं कलिताशेषं कलिदोषघ्नं  
कालत्रयगतिहेतुं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥ ७ ॥  
वृन्दावनभुवि वृन्दारकगणवृन्दाराध्यं वन्देऽहं  
कुन्दाभामलमन्दस्मेरसुधानन्दं सुहृदानन्दम् ।  
वन्द्याशेषमहामुनिमानसवन्द्यानन्दपदद्वन्द्वं  
वन्द्याशेषगुणाब्धिं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥ ८ ॥  
गोविन्दाष्टकमेतदधीते गोविन्दार्पितचेता यो  
गोविन्दाच्युत माधव विष्णो गोकुलनायक कृष्णेति ।  
गोविन्दाङ्घ्रिसरोजध्यानसुधाजलधौतसमस्ताघो  
गोविन्दं परमानन्दामृतमन्तःस्थं स तमभ्येति ॥  
॥ इति श्रीमच्छङ्कराचार्यविरचितं श्रीगोविन्दाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Ashwini Kshirasagar ak201 at hslmc.cam.ac.uk

---

.. shrIgovindAShTakaM ..

pdf was created on November 12, 2017

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

